गुजरात स्थित राजकोट-वेरावल रेल परियोजना के संबंध में वित्तीय संकट

1065. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में राजकोट-वेरावल रेल परियोजना पूर्ण करने में काफी वित्तीय संकट का सामना किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या इसकी प्रगति रुक गई है;

(ग) उसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार ने बाधाओं को दूर करने के लिए तथा इसे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूरा करने के लिए निर्माण कार्य में तेज़ी लाने के लिए क्या कदम उठाए हैं;

(ङ) 30 मार्च, 1995 तक इस रेल परियोजना में कितनी प्रगति हुई है; और

(च) इसकी अनुमानित लागत कितनी थी और अब इसकी वास्तविक लागत कितनी है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश कलमाडी): (क) जी नहीं।

(ख) से (घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) इस परियोजना को 100 करोड़ रुपए की लागत पर 1994-95 के रेल बजट में शामिल किया गया था। राजकोट-वेरावल खंड के आमान परिवर्तन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

(च) 1993-94 में परियोजना की अनुमानित लागत 100 करोड़ रुपए थी। अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण पूरा हो जाने के बाद इस परियोजना की वास्तविक वर्तमान लागत का पता लगेगा।

Thermal and Hydro Power Plants manufactured by BHEL

1066. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the details of thermal and hydro power plants in terms of MW manufactured by BHEL during 1991-92, 1992-93 and 1994-95;

(b) the order book position for next 5 years in thermal and hydro projects of BHEL in terms of MW; and

(c) the year-wise percentage capacity utilisation for manufacture of thermal and hydrosets in BHEL since 1991-92?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) The details of Thermal and Hydro Power Plants manufactured by BHEL in terms of MW during 91-92, 92-93 and 94-95 are as under:—

	91-92	92-93	94-95
Thermal including gas & Hydro Power Sets (MW).	2741	2718	1382

(b) BHEL's order book position for Thermal & Hydro Sets as on 1.4.95 was 5541 MW. It may be feasible to indicate the likely order book position of BHEL for Thermal and Hydro Sets for the next 5 years only after the Power Capacity addition programme for the country for the IX Plan period gets finalised.

(c) The information is as under:—

	91-92	92-93	93-94	94-95
Thermal including gas & Hydro Power Sets.	46.9	46.5	36.0	23.6

Lack of Proper Guidelines to Tackle Terrorism in Jammu and Kashmir

1067. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether as per the latest estimates the number of foreign mercenaries in the Jammu and Kashmir state is fewed and the number of infiltrators having crossed the LOC and entered the valley is only few thousand whereas 500 thousand military and para-military personnel are there in the valley to deal with the situation;

(b) whether inspite of these facts the situation in the valley continues to be serious and terrorist activities escalating; and

(c) whether it is due to lack of proper guidelines issued to security personnel to deal with terrorists and if not, what are the reasons for delay in fully controlling the situation in the State?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) to (c) Sustained pressure and intensive operations against militants have been continued by the Security Forces deployed on internal security duties in Jammu and Kashmir. As a result of this and various other measures taken by the Government to restore normal conditions and revive the normal activities of the Administration and the people, there is demoralisation and disarray in the ranks of the militants, and a perceptible change in the mood and attitude of the people. In the wake of these developments, it is being observed that Pakistan in its bid to try and keep up violence in the State, is increasingly taking resort to infiltration of foreign nationals/mercenaries, though it is not possible to indicate the precise number of such elements in the State. The increasing resort to sneak attacks on soft targets, abductions and kidnappings, explosions in market places and hit and run incidents of grenade attacks and random firing etc., also show the desperation of the terrorists who are under severe pressure from the security forces and are losing ground.

The security situation is being reviewed regularly, and steps as may be necessary to further intensify and streamline the operations are being taken on a continuing basis. As a result, there is a distinct qualitative improvement in the overall security situation in the State. Government will continue to pursue its efforts in this direction intensively.

रेल दुर्घटनाएं

1068. **श्री राम देव भंडारी:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत छः महीनों के दौरान देशभर में हुई रेल दुर्घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में की गई जांच-पड़ताल से इन दुर्घटनाओं के संबंध में किन-किन मुख्य कारणों का पता चला है; और

(ग) सरकार ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश कलमाडी): (क) मई '95 तक अक्तूबर '95 तक की छः माह की अवधि के दौरान 190 रेल दुर्घटनाएं हुई थीं जिनमें गाड़ियों के आपस में टकराने की 12, पटरी से उतरने की 151 घटनाएं, पैदल समपारों पर 24 दुर्घटनाएं और गाड़ी में आग लगने के 3 मामले शामिल हैं।

(ख) इन दुर्घटनाओं के मुख्य कारण रेल कर्मचारियों की विफलता, रेल कर्मचारियों से इतर व्यक्तियों की विफलता, उपस्करों की विफलता और तोड़-फोड़ थे।

(ग) रेलें गाड़ी परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

रेलों पर संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिसंपत्तियों का बेहतर अनुरक्षण और संरक्षा उपकरणों का उपयोग अनिवार्य पूर्वापेक्षाएं हैं। संरक्षा मानकों में सुधार करने के लिए रेलों द्वारा निम्नलिखित कार्रवाई की गई है:

1. सभी ट्रंक मार्गों और मुख्य लाइन स्टेशनों पर रेलपथ परिपथन का अग्रता से निष्पादन।

2. आगे जाने वाली गाड़ी के लिए स्टार्टर और अग्रिम स्टार्टर सिगनल के पीछे हटने तक स्लाट दिए जाने को रोकने के लिए सिगनल परिपथन में परिवर्तन को वापस पुरानी दशा में लाया गया है।

3. स्टेशन कर्मचारियों, चलती गाड़ियों के चालक और गार्ड के बीच एक संचार सुविधा की व्यवस्था की जाएगी।

4. रेलपथ संरचना को सुदृढ़ किया गया है। फिश प्लेटों को हटा कर और पटरियों की झलाई करके उन्हें झलाईयुक्त लंबे पैनलों में बदला गया है।